

## खोलाको पानी पिउन बाध्य थिए, आशा पलायो

सिरहाको उत्तरवर्ती धनगढीमाई नगरपालिकाको १४ नम्बर वडा विकट चुरे क्षेत्र सर्रे अम्बास, राइरैनी, हातिमुण्डा, मैनामैनी, चकमके लगायत एक दर्जन गाउँका वासिन्दा खोलाको पानी पीउन बाध्य थिए । खोलामा बाढी आउँदा धमिलो पानी पिउँदा बाध्यता नियति नै थियो । खानेपानीको वैकल्पिक व्यवस्था धाराहरू जडान नहुँदा जीवन बचाउनका लागि भएपनि ती क्षेत्रका वासिन्दा खोलाको पानी पीउन बाध्यता भएको सुनाउँछन् ।



उत्तरवर्ती विकट चुरे क्षेत्रमा अवस्थित ती गाउँमा १५ हजार भन्दा बढी जनसंख्याको बसोबास छ । अधिकांश मगर, राई, तामांग, सुनुवार समुदायको वसोबास रहेको ती क्षेत्रका एक दुई स्थानमा गैरसरकारी संस्था र तत्कालिन गाविस अनुदानमा खोला किनारमा इनार निर्माण

गरिएको थियो । राइरैनी खोला छेउ इनार निर्माण गरिएको भएपनि वर्षायाममा पानी धमिलो हुने र सुख्खायाम चैत वैशाखमा इनारमा पानी सुक्ने समस्या हुने गरेको थियो । स्थानीय भन्थे, वर्षायाममा धमिलो पानी सेवनकै कारण कतिपय बालबच्चा, वृद्ध वर्षाभरी बिरामी पर्छन् ।

ती क्षेत्रका अधिकांश गाउँमा पानी मुहान खोजी गरी घर घर धारा पुऱ्याउन सकिने पर्याप्त

संभावना भएपनि त्यतिखेर सरोकारवाला निकायले चासो नदिएको ती क्षेत्रका वासिन्दाको भनाइ छ ।

**खानेपानी आयोजना बन्ने भएपछि स्थानीय खुसी**

खानेपानीको चरम समस्या भैरुदे सर्रे अम्बासका बासिन्दा गाउँमा खानेपानीको योजना बन्ने भएपछि खुशी भएका छन् ।

भण्डे दुई किलोमिटर टाढाबाट खानेपानीको जोहो गर्दै आएका २३



घर परिवारको लागि नगरपालिकाको ७ लाख १९ हजार, लिबर्ड संस्थाको ३ लाख ८० हजार र ४ लाख स्थानीय जनश्रमदान गरी भण्डे १५ लाखको त्रीपक्षीय लगानीमा योजना निर्माण हुने भएपछि स्थानीय खुसी भएका हुन् । खानेपानी आयोजनाको शिलान्यास गर्दै नगरपालिका प्रमुख हरिनारायण चौधरीले अबका केही दिनपछि खानेपानीको कठिनाईबाट गुज्रिरहेको स्थानीयलाई राहत हुने बताए ।

यसअघि यहाँका अधिकांश क्षेत्रमा नगरपालीकाले विजुली पुऱ्याएको उनले बताए । अब खानेपानीको समस्यापनि सहज हुने नगर प्रमुख चौधरीले बताए ।

१४ हजार लिटर पानी अट्ने ट्यांकी निर्माणले त्यस वरपरका २३ घर परिवारलाई घरघरमै धारा जडान गरी पानी उपलब्ध गराउने तयारी गरिएको छ । योजना ५ महिनाभित्र सम्पन्नहुने जनाइएको छ ।

## विश्व मानवअधिकार दिवस : 'मानलाई बाँच्नै सकसको वर्ष'

कालिका खड्का

डिसेम्बर १०, अन्तर्राष्ट्रिय मानवअधिकार दिवस । विश्वभर मनाइएको छ । सन् १९४८ डिसेम्बर १० अर्थात् यही दिन संयुक्त राष्ट्रसंघको महासभाले 'विश्व मानवअधिकार घोषणा पत्र, १९४८' जारी गरेको दिनको स्मरणमा १० डिसेम्बरका दिनलाई विश्वभर नै विश्व मानवअधिकार दिवसका रूपमा संसारभर मनाइन्छ ।

संयुक्त राष्ट्रसंघद्वारा जारी ३० बुँदे सो घोषणापत्रले नागरिकका समग्र अधिकारका विषयलाई समेटेको छ । संयुक्त राष्ट्रसंघका सदस्य राष्ट्र एवं यो घोषणापत्रका पक्षराष्ट्रका रूपमा रहेका विश्वका देशले आजका दिनलाई विश्व मानवअधिकार दिवसका रूपमा मनाउँदै आएका हुन् ।

बाँकी ४ पेजमा

## औरहीमा १५ बेडको अस्पताल सांसद यादवद्वारा शिलान्यास

लहान । सिरहाको औरही गाउँपालिकामा १५ बेडको अस्पताल भवन निर्माणका लागि बिहीबार शिलान्यास गरिएको छ । संघीय सरकारको 'एक पालिका एक अस्पताल' कार्यक्रम अन्तर्गत ग्रामिण समुदायको स्वास्थ्य सेवामा सहज पहुँचको लागि अस्पतालको शिलान्यास गरिएको हो ।

अस्पतालको शिलान्यास सिरहा क्षेत्र २ का प्रतिनिधिसभा सदस्य सुरेशचन्द्र दास यादवले गरेका



हुन् । जबसम्म स्वास्थ्य सेवामा सबै नेपालीको सहज हुँदैन, तबसम्म देशवासी छिमेकी मुलुक भारतको

अस्पतालहरूमा पुन बाध्य हुने सांसद यादवले बताए ।

बाँकी ३ पेजमा

**AB MALL**  
SIRHA SUPER MARKET Pvt.Ltd.

नव जोडी अफर

कपडा  
इलेक्ट्रनिक्स  
फर्निचर

५% देखि  
९०% सम्म छुट

हरेक रु. १०००/- को खरिदमा  
एउटा लक्की ड्राँ कुपन पनि पाउनुहोस्

**AB MALL**  
SIRHA SUPER MARKET Pvt.Ltd.

विश्वको  
**WORLDLINK**

3C 25 Mbps Rs. 1,250/- | 6C 25-2,700 Rs. 2,200/-

**SPEEDMA BOOST**  
नगदमा छुट

Enjoy 100+ HD Channels & 150+ SD Channels FREE with WorldLink

Lahan office: 033-561429, 033-561430 | Mirchajya: 033550505, | Golbazar: 9801186055, | Kalyanpur: 031-540229



## फ्रेंड्स मोडेल हस्पिटल, लहान-४

(शिव मन्दिरको उत्तरपट्टि रघुनाथपुर)

**हाम्रो सेवाहरू**

NICU सहितको प्रसुति सेवा  
२४ औं घण्टा इमरजेन्सी सेवा

डाक्टरहरू

बालरोग विशेषज्ञ **डा. वृजेन्द्र यादव**  
मधुमेह, प्रेसर **डा. ल्युस्युन यादव**  
प्रसुति रोग विशेषज्ञ **डा. विरेन्द्र यादव**

## चौबटिया नाराशंशी

गजेन्द्र ठाकुर

कोडबाह ठाड टिककरक नीचौमे  
हल-महल कऽ कूटि-माटि  
सिलोहक बनल मुरुत ई मनुक्ख  
छोलगढियाक गुलाबी पाक  
एहिबेर नहि जानि किएक रहल कचकुआह  
आ बीतल कएक दिन, छठिहारी छठम दिन  
कविक कविताक छन्दक रससँ उगडुम करैत  
आ डराएल विश्वदेव जे पद्यक रस जे भ्रभाएत तँ  
पसरि जाएत सगर विश्वमे गायत्री नाराशंसीक सँग  
से ओ  
कविक कविताकँ छन्दक रसमे राखि दैत छथि  
वलि दऽ दैत छथि  
कविक कविताक छन्दक रसक वलि  
आ गबैत छथि नाराशंसी ।  
आ आकांक्षाक अग्नि  
पृथ्वीसँ द्युलोकदिस जाइत  
माता पृथ्वीक हृदयक आगि  
दौ पिताश्री पृथ्वीक पुत्र वा भाए  
आलोकदीस ई नीलवर्णक आकाश  
अरणिमन्थनसँ प्रकाशित ई पृथ्वी ।

२

कर्कश बजरी सूगाक स्वर  
ओतऽ धारक पलारलग  
आ दूटा धारक हहाइत मोनियारक  
भसिआएल खेबाह कहुना निकलिलेग मुदा  
आगाँ बणिते जक, बढब आ कि धँसब  
भाँखीक भ्रभिया करत सुरक्षित हमर गाम  
दाह-बाह आएल, किएक ई  
एकार्णवा, दह, जलामय, कनबहको भाँपि  
खेधा-पौटी नाहक माडीपर बैसि खेबैत छी  
ओहि जालकँ, दिशा निर्दिष्ट भऽ  
कन्हेर करैत  
जालक चारुकात ठकठकिया करैत  
अनैत माछकँ जालदिसि  
दुस्सा, सारिलबला काठक तँ गाछी विलुप्त  
बबुरबन्ना बनल ओहि पारक खेत, कमलाक रेत  
बदहा पहिरने लोक, आ ई गाछ-वृक्ष  
ठाढ मुदा हरियरी, जेना आगमन कोनो अभागक  
चारुकात पसरल कमलाक रेत, आ ताहिबीच दुस्सा  
निकलब  
मुदा संकेत प्रायः कोनो आसक ।  
आ तखने ध्वनि  
मधुर स्वरबला करार सूगाक  
कण्ठलग लाल दागीबला अमृत भेला सूगाक  
स्वर अबैत बनि नाराशंशी ।

३

गायत्री बनिगेल चिडै आ बिदा भेल गन्धर्व-लोक  
अनबालेल सोमरस  
ओहि रसमे उगडुम करैत हमर कविता  
नहि बुझल अछि व्याकरण छन्द  
त्रयोदशीकँ ब्याघ्र केलक हत्या पाणिनिक  
त्रयोदशीकँ देलक शिक्षा हमरा ?  
जखन व्याकरणाचार्य बन्न केने छथि,  
बन्न अछि त्रयोदशी तिथिकँ व्याकरणक पठन-पाठन  
व्याकरणाचार्य नहि पढैत छथि, नहि पडबैत छथि ओहि  
दिन व्याकरण  
आ त्रयोदशी तिथिकँ अबैत छल गायत्री चिडै बनल  
त्रयोदशीकँ के देलक हमरा शिक्षा गबैत नाराशंसी ।

## सलहेस क्षेत्रक पर्यटकीय सम्भावना

सलहेस एकटा बड पैघ पुरातात्विक फुलवारी अछि । एहिरहक परातात्विक फुलबाडीकेँ नेपालक गौरव मानल जा सकैत छैक । पुरातात्विक दृष्टिकोणसँ किछु दुःखक बात छैक जे एकर पुरातात्विक दृष्टिकोणसँ अध्ययन आ अनुसन्धान एखनधरि नहि भेल छैक । एहिदिसि पुरातत्वविदसभक ध्यान बहुत कम गेल पाओल जाइत छैक । एहिरहक पुरातात्विक फुलबाडी जनकपुरमे मणिमण्डप आ प्राचीनकालके लुम्बिनीमे उपलब्ध अछि । सम्पूर्ण दक्षिण एशियामे एहिरहक पुरातात्विक फुलबाडी मात्र थाइलैण्ड आ नेपालमे विद्यमान अछि । थाइलैण्डक राजधानी बैंकोकमे अवस्थित लुम्बिनी गार्डेन (फुलबाडी) सेहो एकटा सुन्दर आ हरलभर पुरातात्विक फुलबाडीक रूपमे देखना जाइत छैक । ई फुलबाडीसबहक प्राकृतिक आ पुरातात्विक महत्व अवर्णनीय छैक । सर्लाही जिलाक मूर्तिया आ बारा जिलाक सिमरौन गढमे सेहो एहिरहक पुरातात्विक फुलबाडीक अवस्थितिसँ पुरातत्वविदसभ अवगत छथि, तखन अफसोसक बात छैक जे एकरादिसि हिनकासभक दृष्टि आकर्षित एखनधरि नहि भेल छैक । न स्वदेशी आ न विदेशी पुरातत्वविदसभक ध्यान एकरातरफ एखनधरि आकृष्टि भेनाइके आश्चर्यक विषय मानल जा सकैत छैक । फुलबाडी एकटा सर्वथा नव विषय भेलाक कारणे ई भऽ सकैत छैक जे एहिदिसि हिनकासभक ध्यान नहि पहुँचल होए किन्तु ई बड पैघ महत्वक विषय अछि ।

नेपालक पुरातत्वविद साफल्य अमात्य अपन पोथी Archaeological & cultural qentages of Kathmandu valley मे एक अध्याय Landscape Archaeology in Nepal A challenge मे सत्य-तथ्यक निरूपण कएने छथि - "The archaeology of gardens and parks is a young topic, still in it's pioneering phareeven to Europe. The landscape archaeology is also known as total archaeology. The landscape archaeology is applies in the recovery of the story of an area of countryside using all possible techniques surface scalters, field and other dondaries, standing buildings as well as

excavation . In this, the individual site has signnificance only as a component of the area in which it lies."-p.-q.

सलहेस फुलबाडी राजा फुलबाडीक नामसँ प्रसिद्ध अछि । एकर अवस्थिति लहान बजारसँ पश्चिम आ राजमार्गसँ दक्षिणमे पडैत छैक । साढे नौ विग्रहमे पसरल ई फुलबाडी राजा सलहेसक फुलबाडी छलसे जनधारणा एखनो जीवितै छैक । एकर प्राकृतिक सौन्दर्य अलौकिक एवं अवर्णनीय मानल जाइत छैक । फुलबाडीक मध्यभागमे दूटा गहवर देखना जाइत छैक । पहिल गहवर सलहेस महाराजक मानल जाइत छैक आ दोसर गहवर मालिनीकेँ । ई गहवरमे महाराज सलहेस आ मालिनसभक भव्यमूर्ति स्थापित कएल गेल छैक जे न केवल पुरातात्विक महत्वमे उजागर करैत छैक वरण ऐतिहासिक आ धार्मिक सेहो मानल जाइत छैक । सिरहा जिलामे स्थित प्राचीन स्थलकेँ रूपमे प्रसिद्ध ई सांस्कृतिक सम्पदाक रूपमे एखनधरि सुरक्षित मानल जा सकैत छैक । एखन तऽ ई धार्मिक स्थलक रूपमे सेहो सम्मानित आ पूजित अछि । किएक तऽ ई मंदिरमे स्थापित प्रतिमासबहक नियमित पूजापाठ कएल जाइत छैक आ एकरालेल निर्धारित पूजारीक सेहो व्यवस्था कएल गेल छैक ।

वर्तमान समयमे ऐतिहासिकतासँ वेशी एकर धार्मिक महत्व स्पष्ट रूपमे प्रतिलक्षित एवं प्रतिपादित होइत गेल छैक । स्थानीय वान्दिसभक मान्यता छैक जे लोकनायक सलहेस प्रत्येक दिन मानिक दहमे स्नानक कऽ लहाननजदिक अवस्थित फुलबाडीमे फूल तोडि कऽ महिसैथा आबि कऽ राजमाता आओर कमलाजीक पूजा प्रतिष्ठा करैत छलाह ।

राजा फुलबाडीमे अवस्थित गहवरक नजदिके 'हारम' नामक गाछक एकटा डाढिमे प्रत्येक वर्ष चैत्र मसान्तक दिनमे एक दिनक लेल एकटा फूल फूलाइत छैक । इ फूल मालजकाँ फूलाइत छैक लेकिन आश्चर्यक विषय थिक जे काल्हि भऽकऽ ई फूल स्वतः मुर्भा जाइत छैक । एकर रहस्य आइधरि किनको नहि मालुम भऽ सकल बात किनकोसँ नुकाएल नहि छैक । फूलविहीन गाछ-वृक्षमे अचानक एक दिनक लेल फूलाएल फूल दोसर दिन मुर्भानाई एकटा बड आश्चर्यक बात बुझना जाइत छैक । एकरालिसि कोनो बनस्पतिविज्ञ अथवा पुरातत्वविज्ञकेँ ध्यान आकृष्ट नहि भेनाइ आश्चर्यक बात छैक । ई घटना अपने आपमे रोमाञ्चक आ आश्चर्यजनक मानल जा सकैत छैक किन्तु लोक विश्वस्त छैक जे केना मालिन फूल बनि कऽ सलहेस

गहवर अवस्थित हारमक गाछक डाढिमे लटकल देखना जाइत छैक । दोना मालिन अपन प्रेमी सलहेसक बाहुपाशमे या अलिङ्गन पासमे आवद्ध भऽ अपन चिरंतन, चीरशाश्वत आ चीरनवीन प्रेमकेँ प्रकट प्रतीकात्मक ढङ्गसँ करैत छथि । ई रोमाञ्चक आ रोमैन्टिक घटना विगत सात सओ वर्षसँ नियमित आ निश्चित ढङ्गसँ घटित आबिरहल तथ्य लोकमानसमे एखनधरि जीवन्त छैक ।

सलहेसक इएह पक्षसँ नेपालक आन्तरिक आ बाह्य पर्यटनक अभिवृद्धिमे बड पैघ योगदान भेटि सकैत अछि । सलहेस नेपाल आ मित्रराष्ट्र भारतमे अपन पर्यटकीय महत्व प्रमाणित कऽ सकैत छैक । एहन विलक्षण आ रोमाञ्चक घटना नेपालमे कि भारतमे सेहो सम्भव नहि छैक । गामे गामे सुप्रचारित सुव्यवस्थित आ सुनियोजित ढङ्गसँ एकरा विश्वमे परिचय करबाक सेहो प्रयत्न कएल जा सकैत छैक । मुदा एकर प्रचार-प्रसारसँ कमसँकम नेपाल आओर भारतमे पर्यटकसभ अवश्यमेव आकृष्ट भऽ जा सकैत अछि । एकरालेल सलहेससम्बन्धी ऐतिहासिक, धार्मिक आ पुरातात्विक तथा पर्यटकीय सामग्रीसबकेँ निर्माण केनाई बड जरूरी छैक जकर सर्वथा अभाव एखन छैक । राजमार्ग आ लहानमे सलहेससम्बन्धी बोर्ड (सूचना पाटी) रखबाकऽ आवश्यक छैक । नेपाल पर्यटन बोर्ड, पर्यटन मन्त्रालय, नेपाल प्रज्ञा-प्रतिष्ठान आदिक भूमिका महत्वपूर्ण भऽ सकैत छैक । एखनधरि कोनो विदेशी लेखक आ पर्यटकक वास्ते कोनो आवश्यक सूचना देबाक कार्य नहि कएल गेल बड दुःखक बात छैक । फाटफूट सलहेसक विषयक लेख आदि प्रकाशित भेल छैक मुदा एकरा प्रचार-प्रसारवास्ते सुव्यवस्थित ढङ्गसँ कोनो प्रयास कोनो सरकारी निकायसँ नहि भेल छैक । २०५७ सालमे नेपाल राजकीय प्रज्ञा-प्रतिष्ठान आ स्थानीय प्रयास पुरातत्व विभागसँ भेल ने तऽ कोनो सरकारी निकायसँ कोनो प्रयास भेल छैक जे बड दुःखद स्थितिक सूचक अछि । सलहेसक महत्व सलहेसक गाथामे मात्र सीमित छैक । एकर आलेखन सेहो एखनधरि नहि भेल छैक । पुरातत्वविद संस्कृतिविद आ इतिहासविदक संयुक्त प्रयाससँ सलहेसक स्थान फुलबाडी आ गाथाके संरक्षण कएल जा सकैत

छैक । सरकारी निकायकेँ साथ-साथ स्थानीय संघ-संस्थाक ध्यान सलहेसक संरक्षणदिसि जेबाक बड जरूरी छैक । सलहेसकदिसि विद्वान आ विद्वुषी लेखकसभक ध्यान आकृष्ट करबाक प्रयास सेहो नहि भेल छैक । एकटा नेपाली लेखिका सलहेस फुलबाडीक भ्रमणक अपन अनुभव 'द राइजिङ्ग नेपाल' फरवरी ११, २०११ के अंकमे अभिव्यक्त कएने छलीह - "Some four kilometers west of lahan, Siraha lies Mother Nature's marvel a garden that bears the legend of king Salhesh, chronicled to have ruled this region during the latter 13th century. In this ancient densely forested garden spread over an area of some six hetars, there grows a unique Haram tree that bears flowers only once a year that too on the Nepalese New year lay of Baisakh. The buds stant appearing on the last day of the previous year and as the hours passby, the buds blossom into flowers and by New year dawn takes full shape of a garland as the lay avances the flowers wither and fall. They will not again bloom until next year's lay (TRN 11, 2011).

सलहेस फुलबाडीकेँ पर्यटन क्षेत्रक रूपमे विकास कएल जा सकैत छैक । एकरावास्ते एकटा टूर पैकेज (Tour package) योजना तैयार करबाक बड जरूरी भऽ गेल छैक । एहि टूर पैकेजमे पकडिया गढ, महिसैथा, पतारि-पोखरी, मानिक दह आ सलहेस फुलबाडीकेँ सम्मिलित करबाक जरूरी छैक आ ई एक दिनमे कार्यक्रम भऽ सकैत छैक किएक तँ ई सब पुरातात्विक, ऐसतहासुक । धार्मिक आ सांस्कृतिक स्थलसब एकदम नजदीकमे अवस्थित छैक । एकरावास्ते लहानमे पर्यटकीय स्तरके अतिथि गृह होटल आ रिसोर्टक निर्माणक आवश्यकता देखना जाइत छैक । राजा सलहेस स्वयं ओहि समयमे एकदिनमे ई सब स्थानक भ्रमण कएल करैत छलाह से चर्चा सलहेस गाथामे लिखल गेल छैक - राजा सलहेस प्रत्येक दिन मानिकदहमे स्नान कऽ, लहान नजदीक अवस्थित

बाँकी ४ पेजमा

**मेष :-** लगनशीलताले कामहरू अगाडी बढ्नेछन् । मनमा शान्ति र अनुहारमा कान्ति छाउला । अचल सम्पत्तिको कारोवार हुनेछ । दाम्पत्य जीवन सुखमय हुनेछ ।

**वृष :-** दाम, इनाम र प्रतिष्ठा कमाउने वेला छ । स्वादिष्ट भोजन पाईनेछ । धनार्जनका नयाँ स्रोतहरू पत्ता लाग्नेछन् । वित्तिय संस्थाबाट सहयोग पाईनेछ ।

**मिथुन :-** आज शुभ कार्यमा सरिक भाईनेछ । नयाँ विजनेश प्लान बन्नेछ । आफन्तसंग भेटघाट पनि हुनेछ, तर यातायात वा वाहनमा खर्च बढ्नेछ ।

**कर्कट :-** आफन्तका बीचमा खटपट, चिन्ता र शंका उब्जनेछ । आफ्नो अधिकार प्राप्तिका लागि संघर्ष गर्नु पर्ला । मनमा निराशा र शरीरमा आलस्य आउला

**आजको राशिफल**

**सिंह :-** दैनिक कार्यमा सफलता पाईनेछ । सामाजिक तथा धार्मिक कार्यमा रुची बढ्नेछ । प्रेमसम्बन्ध र प्रणयप्रसङ्कका लागि पनि श्रेष्ठ समय रहेकोछ ।

**कन्या :-** आज आँ नै दक्षतामा विभिन्न कार्यहरू सम्पन्न हुनेछन् । आफन्तको प्रगतिमा मन रमाउनेछ । दिनको उत्तारार्थ अधिक सुखद रहनेछ ।

**तुला :-** दाम, इनाम र प्रतिष्ठा कमाउने वेला छ । कुटुम्बको सहयोग मिल्नेछ । घरमा अतिथीको आगमन हुनेछ । राजनैतिक कार्यमा सफलता मिल्नेछ ।

**दशरिचक :-** लाभ,हानी,आय,व्यय,सुख,दुख वरावरी मध्यम खालको दिन छ । आत्मबल बढाएर काम गरेमा असफल भईदैन । विपरीत वर्गप्रति आकर्षण बढ्नेछ ।

**धनु :-** आज महिलावर्गबाट विशेष सहयोग मिल्नेछ । परिश्रम गर्दा धनार्जन हुनेछ । शिक्षामा सफलता मिल्नेछ । मंगल र शुभ कार्यमा सरिक भाईनेछ ।

**मकर :-** लाभ,हानी,आय,व्यय,सुख,दुख वरावरी मध्यम खालको दिन छ । आत्मबल बढाएर काम गरेमा असफल भईदैन । विपरीत वर्गप्रति आकर्षण बढ्नेछ ।

**कुम्भ :-** शुभकार्यको चर्चा चल्नेछ । मनमा शान्ति र अनुहारमा कान्ति छाउनेछ । विशिष्ट व्यक्तिको साथ पाईनेछ । छोटा डुरीको लामदायक यात्रा रहला ।

**मिना :-** आज वैदेशिक क्षेत्रबाट सफलता मिल्नेछ । सामाजिक कार्यमा मन जाला । कूटनीतिक नियोगको सहयोग मिल्ला । दैनिक कार्यमा प्रगति हुनेछ ।

# सन्दर्भ: एकताटोल

गताकको बाँकी

लहान नगरपालिका-१० स्थित एकताटोलको विकास, शांती, सुख र सामाजिक सद्भाव एवम मनोन्जनको निमित्त गठित सामाजिक संस्था 'एकता सेवा समूह' को रेकर्डहरू र त्यस कमिटीले गरेका संस्थागत कार्यहरू प्रस्तुत गर्ने क्रममा बिगत आर्थिक वर्ष २०६९/०६२ सम्मको आय व्यय मिति २०६२/५/१९

गते शनिवारका दिन सम्पन्न साधारण सभाले अनुमोदन तथा पास गरी पुनः निम्न ९ सदस्यीय नयाँ कार्य समिति चयन भएको रेकर्डबाट देखिन्छ ।

त्यतिखेर अम्बराज मिश्रको अध्यक्षतामा ८ सदस्यीय कार्यसमिति चयन गरेको थियो । समितिको उपाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव र कोषाध्यक्षमा क्रमशः कटक बहनदुर खत्री (दंगाल), रोहित बहादुर चौपाने, सुमन कुमार मिश्र र सुनिल कुमार साह थिए । त्यसैगरी समितिको सदस्यहरूमा नवीन कुमार कार्की, निगम राउत, लक्ष्मी प्रसाद दाहाल, बिमला भुर्खेले चयन भएका थिए ।

उपरोक्तानुसार कार्य समिति गठन भई यस नयाँ कार्य समितिको दोस्रो बैठक मिति २०६२/५/२५ ले निम्नानुसार संस्थागत तथा सामाजिक एवम साबुहिक हित हुने गरी समिति, उप समितिहरू गठन गरी संस्थाको कार्यलाई विकेन्द्रिकरण गरी जिम्मेवारी दिने र अनुगमन तथा निरीक्षण समेत गर्ने निर्णय गर्दै कार्य समितिले आ' नो दायित्व एवम कर्तव्य बोधको भ्रमको दिएको देखिन्छ ।

त्यतिखेर गठित समिति तथा उप समितिहरूको विवरण यस प्रकार रहेको छ । शिव मन्दिर निर्माण उप समितिमा कटक बहादुर खत्री (दंगाल)को संयोजकत्वमा शिव मन्दिर निर्माण उप समिति गठन गरिएको थियो । जस अनुसार समितिको

सदस्यहरूमा इन्द्र प्रसाद अधिकारी र विष्णु प्रसाद पोखरेल थिए ।

उक्त मन्दिर निर्माण उप समितिले अधुरो रहेको लहान नगरपालिका-१० स्थित ग्रामीण चौकमा रहेको शिव मन्दिर निर्माण कार्यलाई पारदर्शी चुस्त दुरुस्त र प्राविधिक ढंगले आकर्षक र नमूना

भास्कर प्रसाद मिश्रको संयोजकत्वमा राम कुमार कार्की, भोला गेलाल, ज्ञानु देवी राउत र हरी प्रसाद पोखरेल सदस्य रहेको समिति गठन गरिएको थियो । यसरी एकता



**सरोकार**  
अम्बराज मिश्र

मन्दिर निर्माणमा सहयोग गरी मन्दिरको गजुर सम्मको निर्माण सम्पन्न गर्न अहम भूमिका निर्वाह गरी दिनु हुने मन्दिर निर्माण उप समिति तथा शुभ चिन्तकहरू सबैमा धन्यवाद छ ।

त्यसैगरी बिमला भूर्खेलेको संयोजकत्वमा १० सदस्यीय शिव मन्दिर निर्माण सहयोगार्थ मुट्टीदान चामल संकलन उपसमिति गठन गरिएको थियो । मुट्टीदान चामल संकलन उपसमितिका सदस्यहरूमा क्रमशः बिन्दु निरैला, सुलेखना मिश्र, रज्जना मिश्र, सुनिता भट्ट, सरस्वती राउत, साबित्रा भट्ट, शोभा राउत, लिला दाहाल, पुनम गेलाल, सम्भना बाँस्तोला, जयमाला सिंह, बिन्दा अधिकारी, हिरा अधिकारी, पुष्पा दाहाल, सुमित्रा भुजेल, गीता ढुंगानाको योगदान थियो ।

उक्त शिव मन्दिर निर्माण सहयोगार्थ मुट्टीदान चामल टोलको हरेक घरघुरीबाट संकलन गर्न प्रत्येक घर परिवारमा प्लाष्टिक बाल्टिनहरू बितरण गरिएकोमा सो चामल संकलन गर्न टोलमा रहनु हुने उपरोक्त अनुसारका आमाहरूको सक्रियतामा मासिक चामल उठाउने जस्तो सञ्चालनीय काम जिम्मेवारी लिएर पटक पटक गरेर १२०० किलोसम्म चामल संकलन गरेर उदाहरण प्रस्तुत गर्नु भएकै हो । जो जहाँ हुन भएपनि सबै आमाहरूमा ढिलै भए पनि साधुवाद छ ।

टोललाई सुदृढ गर्ने क्रममा साँस्कृतिक तथा मनोरञ्जन उपसमिति गठन गरिएको थियो ।

टोल साँस्कृतिक कृयाकलाप अगाडी बढाउने टोलले प्रयास गरेको थियो ।

यसरी नै समाजलाई हिन्दु पर्व अनुसार मनोरञ्जन गराई रहँदा टोलको गरिमा पनि बढेर जाने तथा भावी सन्ततीहरूले पनि देखासिकी गरी आफूमा रहेको कलाहरू प्रस्तुत गर्न पाउन भन्ने मुल मर्मका साथ उपरोक्तानुसारको साँस्कृतिक तथा मनोन्जन उपसमिति गठन गरी हरेक वर्ष, नयाँ वर्ष, तीज, दशैं, तिहार र छठ पर्वहरू लगायत शिवरात्री, फागु पुर्णिमा जस्ता पर्वहरूमा मनोरञ्जन गराउँदै आइरहेको थियो । उक्त अवधिमा कार्यक्रमहरू गरी दिएर संस्थाको गरिमा बढाई दिनु हुने उपसमितिको परिवार सबैमा धन्यवाद व्यक्त गर्दछु ।

एकता सेवा समूहले संस्था तथा मन्दिर निर्माण आर्थिक व्यवस्थापन उपसमिति गठन गरेको थियो । उपसमितिका अम्बराज मिश्रको संयोजकत्वमा परशुराम निरैला, रामअबतार मण्डल, सुनिल कुमार सिंह, दुर्गा बुर्जामगर, शिव प्रसाद पोखरेल, मोहन बहादुर राउत, नारायण उप्रेती, राधेश्याम शुक्ल, किशोर निरौला, प्रेम कुमार राई, कपिल प्रसाद भट्ट, निगम राउत र नवीन कुमार कार्की सदस्य थिए ।

यस एकता सेवा समूहको सक्रियतामा तत्कालीन अबस्थामा अधुरो रहेको शिव मन्दिरको निर्माण कार्यलाई द्रुत गतिमा सम्पन्न गर्नु पहिलो उद्देश्य देखिएकाले र संस्थामा आर्थिक अबस्था कमजोर

रहेको र सरकारी निकायहरूले पनि खासै सहयोग गर्न सक्दाको अबस्थामा टोल भित्रै र बाहिरी दाताहरूसँग पनि आर्थिक संकलन गर्न उपरोक्तानुसारको आर्थिक व्यवस्थापन उपसमिति गठन गरी अधुरो रहेको शिव मन्दिरलाई पूर्णता गराउन सहयोगी उपसमितिको सम्पूर्ण सदस्यहरू लगायत दाताहरू सबैमा हार्दिक धन्यवाद दिन चाहान्छु ।

वातावरण तथा सरसफाइ संरक्षण उपसमितिका सुमन कुमार मिश्रको संयोजकत्वमा सुरेश कुमार भट्ट, सुरज ढकाल, परशुराम भुजेल, भरत मण्डल सदस्य रहेको समिति बनाइएको थियो । समाजले सबै खाले सुविधाहरू प्राप्त गरी सक्दाको अवस्थामा हरेक परिवारको स्वास्थ्यको ख्याल पनि उत्तिकै जिम्मेवारी साथ रहन टोल भित्र रहने मानव स्वास्थ्य र समाज स्वास्थ्यको विषय गहन गराउने उद्देश्य लिई समाज भित्र हरियाली, नहर सरसफाइ, साप्ताहिक हुने गरी टोलबासीलाई नै परिचालन गराउन उपरोक्त वातावरण तथा सरसफाइ संरक्षण उपसमिति गठन गरी समाजलाई वातावरणीय प्रदुषणबाट मुक्त गराउनु हुने उपसमितिका परिवार लगायत साथ दिनु हुने टोलबासीहरू सबैमा धन्यवाद । हो यस्ता सामाजिक कार्यहरू अरु धेरै छन, जो अहिले नै यसै लेखमा समावेश गर्न सकिएन । (सामाजिक संघ संस्थाहरूले गरेका सकारात्मक सुधार कार्यहरू एवं अवसर र चुनौतीहरू साथै पदासिनहरूको मनोबल उच्च गराउनु र हैसिल्ला दिनु पर्ने भएकाले यस पत्रिका मार्फत भए पनि सामान्य जानकारी गराउने क्रम जारी राखेको छुं ।)

यी र यस्तै सामाजिक कार्यहरू थप जानकारीमा ल्याउन आगामी अंकमा राख्ने प्रतिबद्धताका साथ आजलाई बिदा ।।। (बाँकी आगामी अंकमा)

# औरहीमा...

बढी जनघनत्व भएको दक्षिणी भेगको यो अस्पताल समयमा संचालन गर्न औंरही गाउँपालिकालाई अनुरोध होईन्, यस क्षेत्रको प्रतिनिधिसभाको हैसियतले निर्देशन दिन चाहन्छु सांसद यादवले भने । अस्पतालमा प्रसुती सेवा शल्य चिकित्सक विशेषज्ञको पनि सुविधा हुनुपर्ने उनले बताए । अस्पताल शिलान्यास कार्यक्रमको अध्यक्षता गरेका औरही गाउँपालिकाका अध्यक्ष सिद्धार्थ यादवले भने, 'औरही

गाउँपालिकाले यस अस्पतालको भवन दुई वर्षभित्रै सम्पन्न गरी संचालनमा ल्याउने योजना रहेको छ । सर्पदंश उपचार केन्द्र टाढा भएकोले बर्सेनि यस पालिकामा सर्पदंशको कारणले कुनै न कुनै व्यक्तिको अकालमा ज्यान गुमाउनु पर्ने भएकोले सर्पदंश उपचार केन्द्र पनि संचालन गर्ने योजना रहेको उनले सुनाए ।

उनले भने 'प्रत्येक वडामा माध्यमिक विद्यालय स्थापना गर्ने लक्ष्य रहेको छ । मावि औरहीलाई प्राविधिक धारको स्थापना र स्नातक कार्यक्रम संचालन गर्ने योजना पनि छ ।

# महत्वपूर्ण टेलिफोन नम्बरहरू

वारुण यन्त्र, लहान	०३३-५६३९९५
ईलाका प्रहरी कार्यालय, लहान	०३३-५६०९५५
ईलाका प्रशासन कार्यालय, लहान	०३३-५६०२६६
जि.ट्राफिक कार्यालय, लहान	०३३-५६०७३७
लहान नगरपालिकाको कार्यालय	०३३-५६३९३८
नेपाल विद्युत प्राधिकरण, लहान	०३३-५६०२४६
सव स्टेशन, लहान	०३३-५६०४००
नेपाल टेलिकम, लहान	०३३-५६०४४४
प्राविधिक शिक्षालय, लहान	०३३-५६००९६
अञ्चल यातायात कार्यालय, लहान	०३३-५६०२९७
रा.उ.स्मारक अस्पताल, लहान	०३३-५६००९५
आ. राजस्व कार्यालय, लहान	०३३-५६००८८
कृषि विकास बैंक, लहान	०३३-५६०९४७
कृषि सामाग्री संस्थान, लहान	०३३-५६०९४८
घरेलु तथा साना उद्योग, लहान	०३३-५६०९२८
दु.शा.अतिथि सदन, लहान	०३३-५६०९६५
आँखा अस्पताल, लहान	०३३-५६००८०
जे.एस.मु.ब.क्याम्पस, लहान	०३३-५६०२५२
रक्त संचार केन्द्र, लहान	०३३-५६०५७५
मारवाडी सेवा सदन, लहान	०३३-५६१४९९
जि.प्रशासन कार्यालय, सिरहा	०३३-५२०९२३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय, सिरहा	०३३-५२०९९२
नगर प्रहरी, सिरहा	०३३-५२०२६७
प्रहरी चौकी, माडर (सिरहा)	०३३-५२०४००
को.ले.नि.का. सिरहा	०३३-५२०९३०
कृषि विकास बैंक, सिरहा	०३३-५२०४७०
जिल्ला समन्वय विकास कार्यालय, सिरहा	०३३-५२००३७
सिरहा जिल्ला अदालत, सिरहा	०३३-५२००५६
जिल्ला अस्पताल, सिरहा	०३३-५२००६४
जनस्वास्थ्य कार्यालय, सिरहा	०३३-५२००८९
जिल्ला शिक्षा समन्वय इकाई शाखा, सिरहा	०३३-५२०००४
नेपाल टेलिकम, सिरहा	०३३-५२००३३
नेपाल विद्युत प्राधिकरण, सिरहा	०३३-५२०९६९
राष्ट्रिय बाणिज्य बैंक, सिरहा	०३३-५२०००२
रेडक्रस सोसाइटी, सिरहा	०३३-५२००५५
ईलाका प्रहरी कार्यालय, मिर्चैया	०३३-५५०९००
कृषि विकास बैंक, मिर्चैया	०३३-५५०००५
सिता नोबेल न्यूज सेन्टर	०३३-५६००२७
सविना बुक्स एण्ड सप्लायर्स लहान-७	०३३-५६०५९९
स्वस्तिका इलेक्ट्रिक एण्ड जेनरल अर्डर सप्लायर्स लहान-१०	५८४२८५०५६५

# नगरवासीका लागि जनहितमा जारी सार्वजनिक सन्देश !

१. नगरपालिकालाई बुझाउनु पर्ने सम्पत्ति कर, भूमि कर व्यवसाय कर समयमै बुझाऔं, २. जन्म, मृत्यु, विवाह, बसाइसराइ लगायतका व्यक्तिगत घटना सम्बन्धित घटना भएको मितिले ३५ दिनभित्रै आफ्नो वडा कार्यालयमा दर्ता गरौं, ३. नगरपालिकाभित्र व्यक्तिगत घर तथा उद्योगका भवन लगायतका संरचना निर्माण कार्य शुरू गर्नुअघि अनिवार्य रूपमा निर्माण इजाजत लिऔं, ४. भूकम्प प्रतिरोधात्मक घर निर्माण गरौं, ५. सडक अधिकार क्षेत्र, खोला, नाला, पैनीको साथै पाटी पौवा जस्ता सार्वजनिक स्थान मिचेर कुनै पनि संरचना निर्माण नगरौं । साथै सडक किनारामा व्यापार, व्यवसाय नगरौं, ६. अनुमति बिना सडकमा निर्माण सामग्री लगायतका कुनै पनि व्यक्तिगत प्रयोजनका सामान नराखौं, ७. नगर क्षेत्रभित्र कुनै पनि व्यापार, व्यवसाय गर्दा नगरपालिकामा दर्ता गरेर मात्र गरौं, ८. बालबालिकाहरूलाई नजिकैको स्वास्थ्य संस्थामा लगी लगाउनु पर्ने सबै खोप तोकिएअनुसार नियमित लगाऔं र बालबालिकाहरूमा रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता विकासमा सहयोग गरौं, ९. उमेर नपुगेका बालबालिकाहरूलाई श्रममा नलगाऔं, १०. विद्यालय जाने उमेर भएका सबै बालबालिकाहरूलाई अनिवार्य रूपमा विद्यालय पठाऔं, ११. छोरा र छोरीमा भेदभाव नगरौं, १२. महिला हिंसा न्यूनीकरणका लागि आ-आफ्नो ठाउँमा पहल गरौं, १३. जेष्ठ नागरिकको सम्मान गरौं, १४. आफ्नो घरबाट निस्किएको फोहरलाई जथाभावी नफालौं, १५. चौपायाहरूलाई छाडा नछोडौं, १६. होटल व्यवसायीहरूले बासी तथा सडेगलेका खानेकुरा नबेचौं । उभोत्ताको स्वास्थ्यमा ख्याल गरौं, १७. नगरपालिका भित्रका सिमसारहरूको संरक्षण र विकासमा सहयोग गरौं ।

	लहान नगरपालिका कार्यालय, सिरहा
	मिर्चैया नगरपालिका कार्यालय, सिरहा
	कल्याणपुर नगरपालिका कार्यालय, सिरहा
	गोलबजार नगरपालिका कार्यालय, सिरहा

	कर्जन्हा नगरपालिका कार्यालय, सिरहा
	सुखिपुर नगरपालिका कार्यालय, सिरहा
	धनगढीमाई नगरपालिका कार्यालय, सिरहा
	सिरहा नगरपालिका कार्यालय, सिरहा

## विश्व...

यो वर्ष लाग्नासाथै विश्वव्यापीरूपमै कोरोना भाइरस कोभिड-१९ को महामारीको असर देखियो र यसका कारण विश्वमा लाखौं नागरिकले ज्यान पनि गुमाउनुपयो । कति नागरिक परिवार गुमाउनुपरेको पीडामा छन् भने महामारीबाट ज्यान जाने क्रम अहिले पनि रोकिएको छैन । यसरी विगत वर्षका तुलनामा हेर्दा यस वर्ष महामारीबाट सिर्जित विविध कारणले गर्दा नागरिकका अधिकारका दायरा पनि खुम्चिएका तथा यसैकारण विश्वका कैयौं देशका नागरिकका आधारभूत अधिकारसमेत हनन भएका गुनासा पनि विश्वव्यापीरूपमै सुनिएको छ ।

मानवअधिकारका अन्य विषय वस्तुभन्दा पनि यो वर्ष नागरिकले ज्यान जोगाउन नै ठूलो सकस भएको अनुभव संसारका विभिन्न देशका नागरिकको छ । नागरिकलाई यस्तो भयो कि मनी बँच पाउनु नै मानिसको सबैभन्दा ठूलो अधिकार हो । त्यसैले पनि यस वर्ष बाँच्नु र बचाउनुलाई मूल विषयवस्तु बनाएर वर्ष विश्वभरि नै मानवअधिकार दिवस मनाइँदछ । नागरिकले बाँच्न पाउनु नै मानवअधिकारको आधारभूत अधिकार हो । जुन कोभिड महामारीका कारण संकटमा परिरहेको देखिएको छ ।

कोभिड-१९ को महामारीबाट हालसम्म (बुधबारसम्म) विश्वमा छ करोड ८४ लाख १४ हजार १२२ जना संक्रमित भएका छन् भने १५ लाख ६० हजार ६३० को मृत्यु भइसकेको छ । नेपालमा दुई लाख ४१ हजार ९९५ जना संक्रमित र एक हजार ६१४ जनाको दुःखद निधन भइसकेको छ । अहिलेको अवस्थालाई मानवलाई बाँच्नै लागि निकै मुस्किल परेको अवस्थाका रूपमा हेर्न सकिन्छ ।

मानवकै रक्षाका लागि यो वर्ष मानवअधिकार दिवसको अन्तर्राष्ट्रिय नारा पनि महामारीसँग सम्बन्धित नै राखिएको छ भने राष्ट्रिय नारा 'महामारीमा मानवअधिकार : स्वास्थ्य सेवामा सबैको पहुँच विस्तार' तय गरिएको छ । यी नाराअनुसार महामारीको समयमा नागरिकको अधिकारको रक्षा गर्न विश्वका अधिकारवादी सङ्घसंस्थाले आफ्ना आवाजहरू बुलन्द गरिरहेका बताइएको छ । कोभिडको संक्रमणबाट बच्न खोप तयार भएका समाचार आइरहेका छन् । यसले मानिसलाई केही आशा पलाएको छ तर ती खोपको उपलब्धता

सर्वसुलभरूपमा हुनसक्छ कि सक्दैन या विश्वका विभिन्न स्थानका नागरिकले खोप पाउन सक्छन् कि सक्दैनन् भन्ने विषय पनि यस वर्ष मानवअधिकारसँगै जोडिने भएको छ । यस वर्ष विश्वका अधिकारवादी सङ्घसंस्थाको कार्य अन्य कार्यहरूका अतिरिक्त यस विषयमा अझ बढी केन्द्रित हुने देखिएको छ ।

विकसति राष्ट्रमा मात्र नभएर विकासशील देशमा खोपको व्यवस्था मिलाउनुपर्ने टङ्कारो आवश्यकता देखिन्छ । कोभिडको महामारीका कारण मानवअधिकारको अवस्था जटिल बनिरहेको छ । महामारीका बेला सरकारले नागरिकको रक्षा गर्नु मुख्य दायित्व हुन आउँछ । नेपाल सरकारले कोभिड संक्रमण भएका व्यक्तिलाई सरकारी अस्पतालबाट निःशुल्क सेवा प्रदान गर्दै आएको छ ।

'सरकार सधैं नागरिकको सुरक्षा, शान्ति र प्रगतिका लागि काम गरेको छ', सरकारका प्रवक्तासमेत रहनुभएका सञ्चार तथा सूचना प्रविधिमन्त्री पार्वत गुरुङले भने, 'मानवअधिकार सुरक्षित गर्न सरकार सदा तयार छ, नागरिकको बाँच्नु पहिलो शर्त हो, कोभिडबाट बाँच्ने भन्ने कुरा मुख्य छ, त्यसबाट बचाउनका लागि सरकारले भरपुर प्रयास गरिरहेको छ ।' कोभिडको खोप पत्ता लागेको हुँदा खोपलाई विकसित देशका साथै विकासोन्मुख, अतिक्रम विकसित र विकासोन्मुख देशले पनि यसको लाभ लिन सकोस् भन्नेमा सरकारको ध्यान केन्द्रित भएको उहाँको भनाइ छ ।

नेपालमा महामारीभन्दा अन्य खालका मानवअधिकार उल्लङ्घनका घटनामा पनि कमी आउन सकेको छैन । जातीय, लैङ्गिक, क्षेत्रीय तथा भाषिकरूपमा पनि मानवअधिकार उल्लङ्घनका घटना कमी भएको महसुस हुनसकेको छैन । जातीय विभेद, छुवाछूत, बलात्कार, हत्या, हिंसासायतका घटना दिनप्रतिदिन बढ्दो दरमा भइरहेका छन् । यस्तो अवस्थामा सबै क्षेत्रबाट एकजुट भई मानवअधिकारको संरक्षण र संवर्द्धनमा लाग्नुपर्ने देखिन्छ ।

लैङ्गिक हिंसा, छुवाछूत, बलात्कारजस्ता घटनाका विषयमा धेरै कानून बनेका छन्, कानून, न्याय तथा संसदीय मामिलामन्त्री डा शिवमाया तुम्बाहाङ्गफेले भनिन्, 'तीन तहकै सरकारले विद्यमान कानूनको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्नुमा ध्यान दिनुपर्छ, तब मात्र मानवअधिकारको संरक्षण हुन्छ ।' वर्तमान आवश्यकतानुसार संसदले कानून बनाउने गरेको भएता पनि

कार्यान्वयनमा कमी हुने कारण गर्दा बनेका कानून पनि प्रभावकारी हुनसकेका छैनन् । जसले गर्दा समाजमा विकृति र विसङ्गति न्यूनीकरणमा कठिनाइ देखिएको छ ।

**मानव अधिकारको अवस्थामा हुन सकेको सुधार**  
राष्ट्रिय मानवअधिकार आयोगको आर्थिक वर्ष २०७६/७७ को वार्षिक प्रतिवेदन मानवअधिकारको अवस्थामा अपेक्षाकृत सुधार हुन नसकेको निष्कर्ष निकालेको छ । यस अवधिमा मानवअधिकार उल्लङ्घन भएको भनी १३२ उजुरी दर्ता भएका छन् । नयाँ दर्ता भएका र पुराना गरी ७९५ उजुरीमाथि अनुसन्धान सम्पन्न भएको आयोगले जनाएको छ । छुवाछूत तथा बलात्कारका घटनामा कमी आउन सकेको छैन ।

प्रतिवेदनमा समाजमा जातीय भेदभावको विद्यमान स्थिति, जीवनको अधिकारमा चुनौती, उपभोक्ताका अधिकार कुण्ठित हुनु, शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवामा सबैको पहुँच हुन नसक्नुजस्ता परिस्थितिले नागरिकका संविधानप्रदत्त हक प्रचलनमा अझै सहज वातावरण बन्न नसकेको उल्लेख छ ।

वैदेशिक रोजगारीमा गएका श्रमिक श्रम शोषणमा पर्ने गरेको, महिला तथा बालबालिकाका कारण जनजीवन असहज अवस्थामा रहेको, सीमान्तकृत समुदाय, आदिवासी जनजाति, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, दलित, महिला, अल्पसङ्ख्यक, जयेश्वर नागरिकलगायतको अधिकारको संरक्षणमा राज्यले विशेष ध्यान पुऱ्याउन नसक्दा ती वर्ग एवं समुदायका अधिकार सुनिश्चित हुन नसकेको र कोभिड(१९ का कारण विश्व समुदायसँगै नेपाल पनि प्रभावित बनेको अवस्थामा जनताको स्वास्थ्य क्षेत्रमा नकारात्मक असर परेको प्रतिवेदनमा छ ।

'देशको मानवअधिकारको अवस्थामा अपेक्षाकृत सुधार हुनसकेको छैन', आयोगका सचिव वेदप्रसाद भट्टराईले भने, 'भविष्यमा सुधारको अपेक्षा गरेर सबैले मानवअधिकारको रक्षाका निम्ति मिलेर काम गर्नुपर्छ ।' नेपालमा राजनीतिक तथा जातीयरूपमा मानवअधिकार उल्लङ्घनका घटनामा कमी आउन सकेको छैन । ऐन कानून भए पनि त्यसको प्रभावकारी कार्यान्वयन भएको देखिँदैन ।

'देशमा महिला, दलित, जनजातिलगायतका विविध विषयमा कानून निर्माण भए पनि कार्यान्वयनमा कठिनाइ देखिएको छ', महिला

अधिकारकर्मी डा रेणु राजभण्डारीले भनिन्, 'समाजमा चेतनाकोस्तरमा वृद्धि नभएसम्म सुधारको अपेक्षा गर्न सकिँदैन ।'

**अधुरै संक्रमणकालीन न्याय**

सरकारले विस्तृत शान्ति सम्झौतापछि दशवर्षे सशस्त्र द्वन्द्वकालमा भएका घटनाको सत्य पत्ता लगाउने उद्देश्यले गठन गरेको सत्य निरूपण तथा मेलमिलाप र बेपत्ता पारिएका व्यक्तिको छानबिन आयोगले अझै पनि पीडितलाई न्याय दिने काम पूरा गर्न सकेको छैन । सत्य निरूपण तथा मेलमिलाप आयोग र बेपत्ता पारिएका व्यक्तिको छानबिन गर्न बनेको आयोग ऐन, २०७१ आएपछि दुई वर्षका लागि गठन गरेको आयोगले चार वर्षसम्म पनि काम गर्न नसकेपछि पहिलो पदाधिकारीलाई बिदाइ गरेर दुवै आयोगमा नयाँ पदाधिकारी ल्याएर काम अघि बढाइएको छ । तर पीडितहरू भने न्याय पाउने पूर्ण आशामा अझै छैनन् ।

सत्य निरूपण तथा मेलमिलाप आयोगमा पीडितका ६४ हजार उजुरी परेका छन् भने बेपत्ता पारिएका व्यक्तिको छानबिन आयोगमा तीन हजार १९७ उजुरी परेका छन् । ती उजुरीउपर छानबिन गरी देखीलाई कारवाही र पीडितलाई न्याय दिने काम निकै ढिलाइ भइरहेको छ ।

पीडितहरू अझै पनि न्याय पाउने आशामा छन् । आयोगको सिफारिसअनुसार परिपूरणको व्यवस्था पनि छ । सरकारले दुईपटक गरेर पीडितलाई रु १० लाख राहतस्वरूप प्रदान गरेको छ । द्वन्द्वपीडित साभ्ना चौतारीका संस्थापक अध्यक्ष सुमन अधिकारीका अनुसार पीडितको त्यति ठूलो माग पनि छैन । द्वन्द्वका घाइतेलाई स्वास्थ्य उपचारको व्यवस्था मिलाउने

र तिनीहरूका सन्तानलाई शिक्षा तथा रोजगारको व्यवस्था मिलाउने मात्र काम भए पनि पीडितले न्याय पाएको महसुस गर्ने थिए ।

दुई आयोगको कानून संशोधनका विषयमा ढिलाइ भइरहेको छ । सर्वोच्च अदालतले अन्तर्राष्ट्रिय कानून, सन्धि सम्झौता, पीडितको सहभागिताका कानून संशोधन गर्न आदेश दिएको छ । पीडितले पनि पीडितको भावनालाई समेट्ने गरी ऐन संशोधन गर्नुपर्ने माग राखेका छन् तर पीडितको माग पूरा हुनसकेको छैन । विस्तृत शान्ति सम्झौता भएको पनि १३ वर्ष बितिसक्यो, गर्भमा भएका बच्चा जन्मिएर उच्च शिक्षा पढ्ने बेला भइसक्यो, द्वन्द्वपीडित साभ्ना चौतारीका अध्यक्ष अधिकारीले भने, 'न्याय पाउने आशामा पीडित भौतारिँदा भौतारिँदै जीवनको उर्वर समय खेर गयो, तर न्याय पाएनन् ।'

विश्वव्यापीरूपमा फैलिएको कोभिडको प्रभावका कारण मानवअधिकार संकटमा परेका बेलामा अन्य खालका मानवअधिकारका मुद्दा ओम्भेलमा परेका छन् । महामारीका बेला बाँच्नु नै ठूलो विषय भएको हुँदा तथा सरोकारवाला निकायको ध्यान केन्द्रित हुनुपर्ने देखिन्छ ।

## सलहेस...

सलहेस फुलबाडीमे फूल तोडि कऽ सिलहट अखाडामे कुशती खेलि कऽ अपन जन्मस्थल महिसौथामे कुलदेवीके पूजा करैत छलाह आ तदुपरान्त अपन प्रजाक समस्या सुनबाक वास्ते कंचनगढ जाइत छलाह । सलहेस गाथाक बारेमे मैथिली भाषामे एहन अभिव्यक्ति भेटैत

छैक- 'खनखन रहै छी बेलका पहाडमे खन रहै छी सरस बागमे, मानिक दहमे स्नान करैत छी भागै छी -तऽ एहि मालिनियाके खातिर, गढ पकरियामे मैयाके सुमिरै छी' - (गीत राजा सलहेस (ग्रियर्सन परिशिष्टक, अनुच्छेक १९) सलहेस गाथामे इहो उल्लेखित पाएल जाइत छैक जे माणिकदह नजदीके एकटा सभामण्डप छलैक जतऽ राजा सलहेस सभामे जनसाधारणक दुख-दर्दक कहानी सुनैत छलाह आओर एकर समाधान सेहो तुरन्त करैत छलाह । जेना उल्लेख कएल गेल गेल छैक, 'मानिक दहल राजसभामे श्री जयवर्द्धन रहथि विराजल ।'

सलहेस पठुलबाडीमे पुरातात्विक उत्खननक कोनो आवश्यकता नहि छैक किएक तऽ ई स्वयं एकटा प्राकृतिक फुलबाडी थिक जे ऐतिहासिक महत्व मात्रे नहि रखैत छैक एकर वानस्पतिक महत्व ( Botanical importance) सेहो छैक । फुलबाडीमे विद्यमान गाछ-विरिछके पहिचान करबौनाई बड जरूरी छैक । एकर औषधीय महत्व (Medicinal importance) सेहो छैक । सलहेस फुलबाडीसँ किछु दूरीपर पश्चिम उत्तर कोनामे एकटा तउर छैक जेकरा सिलहट अखाडा कहल जाइत छैक । लोकविश्वास कि छैक जे राजा सलहेस अपन भाइ मोतीरामक साथ एत सातसओ पहलमानसँगे कुशती खेलाइत छलाह । एखन अदाडावाला जगहपर दूटा मंदिरक निर्माण कएल गेल छैक । **क्रमश :**

## नविकरणको म्याद थप सम्बन्धि सूचना ।

विश्वमा महामारीको रूपमा फैलिएको कोभिड-१९ को कारण समयमा सावारी चालक अनुमतिपत्र, सवारी साधन जाँचपास र स्ट ईजाजतपत्र नविकरण गर्न नसकिएकाहरूको लागि भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात मन्त्रालय, सिंहदरवार काठमाडौंको पत्रानुसार नेपाल सरकार (मन्त्रीपरिषद्)को मिति २०७७।०८।१५ गतेको निर्णयानुसार सावारी चालक अनुमतिपत्र, सवारी साधन जाँचपास र स्ट ईजाजतपत्र नविकरणको म्याद मंसिर मसान्त सम्म थप गरिएको व्यहोरा सबैमा जानकारीको लागि अनुरोध छ ।



प्रदेश सरकार

प्रदेश नं. २

यातायात व्यवस्था कार्यालय

लहान, सिरहा

## गाउँपालिकावासीका लागि जनहितमा जारी सार्वजनिक सन्देश !

- गाउँपालिकालाई बुझाउनु पर्ने घर, जग्गा, मालपोत दस्तुर, व्यवसाय कर आदि समयमा नै बुझाऔं ।
- घटना घटेको ३५ दिनभित्र व्यक्तिगत घटना दर्ता गरौं ।
- सार्वजनिक जग्गा र सम्पत्ति संरक्षणमा गाउँपालिकालाई सहयोग गरौं ।
- आफ्नो घर-आँगनबाट उत्पन्न फोहरलाई व्यवस्थित गरौं ।
- इजाजत पत्र लिएर मात्र व्यापार व्यवसायी गरौं तथा उपभोक्ता आचारसंहिता पालना गरौं ।
- बालबालिकालाई काममा हैन विद्यालय पठाऔं ।
- विकास निर्माण कार्यक्रममा जनसहभागिता जुटाऔं ।
- कृषिको व्यावसायीकरण गरौं । खाद्य सम्पन्नत्व र आत्मनिर्भर गाउँपालिका निर्माणमा सहभागी बनौं ।
- किसानलाई सम्मान गरौं । जैविक विविधतामा आधारित पर्यावरणीय कृषि पेशा अवलम्बन गरौं ।

	बरियारपट्टी गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा
	नवराजपुर गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा
	लक्ष्मीपुर पतारी गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा
	सखुवानन्कारकट्टी गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा

	अर्नामा गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा
	भगवानपुर गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा
	औरही गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा
	विष्णुपुर गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा
	नरहा गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा